

एल्युमीनियम-आयन बैटरी

स्रोत: पी.आई.बी

बंगलूरू स्थिति सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज़ (CeNS) ने एक [?] जलीय एल्युमिनियम-आयन बैटरी विकसित की है, जो फोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रिक वाहन आदि में सामान्यतः उपयोग की जाने वाली लीथियम-आयन बैटरियों का एक सुरक्षित और सतत विकल्प है।

एल्युमीनियम-आयन बैटरी

- **पर्युक्त सामग्री:** इस बैटरी में एल्युमिनियम का उपयोग किया गया है, जो सबसे प्रचुर मात्रा में उपलब्ध और पर्यावरण अनुकूल धातुओं में से एक है। इसे जल-आधारित इलेक्ट्रोलाइट के साथ संयोजित किया गया है, जिससे यह कफ़ायती, वसिफोट-रोधी और पर्यावरण के लिये सुरक्षित बनती है।
- **घटक:** इसमें एक कॉपर हेक्सासायनोफ़ेरैट (CuHCF) कैथोड (धनात्मक इलेक्ट्रोड) होता है, जो पहले से ही एल्युमीनियम आयनों से भरा होता है और एक मोलिब्डेनम ट्राइऑक्साइड (MoO₃) एनोड (ऋणात्मक इलेक्ट्रोड) होता है।
- **प्रदर्शन:** यह बैटरी 150 चार्ज-डिसचार्ज चक्रों के बाद भी सक्षम बनी रहती है और मोड़े जाने पर भी नरितर उपकरणों को ऊर्जा प्रदान कर सकती है।
 - इसे इतना लचीला बनाया गया है कि यह कागज़ की तरह मोड़ने या तह करने पर भी अपनी क्षमता नहीं खोती।
- **अनुप्रयोग:** यह लचीले स्मार्टफोन, पहनने योग्य उपकरणों और अधिक सुरक्षित इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये नए मार्ग प्रशस्त करती है।
 - यह विकास भारत को वैश्विक जलवायु तथा पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप सतत और अगली पीढ़ी के ऊर्जा भंडारण समाधानों के अग्रणी स्थान पर स्थापित करता है।
- **चुनौतियाँ:** Al³⁺ आयनों का धीमा प्रसार और ग्रेफाइट जैसे पदार्थों की संभावित संरचनात्मक गिरावट, चक्र स्थिरता को सीमित करती है।
 - एल्युमिनियम एनोड में जंग लगने की समस्या होती है, जो बैटरी की दीर्घायु को प्रभावित कर सकती है।

लीथियम-आयन बैटरी

- यह एक रीचार्जेबल बैटरी है, जिसमें चार्जिंग और डिसचार्जिंग प्रक्रिया के दौरान लीथियम आयन, ऋणात्मक इलेक्ट्रोड (ग्रेफाइट) और धनात्मक इलेक्ट्रोड (Li ट्रांज़िशनल मेटल ऑक्साइड्स) के बीच एक गैर-जलीय इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से प्रवाहित होते हैं।
- यह ऊर्जा को अधिक सघन रूप में संग्रहीत करती है और चार्ज के बीच लंबे चक्र प्रदान करती है।
- पुरानी लेड-एसडि बैटरियों के विपरीत यह हल्की होती है और कम वषिकृत लीथियम तथा कार्बन इलेक्ट्रोड का उपयोग करती है।

और पढ़ें: बैटरी प्रोद्योगिकी